>

Title : Programs of subsidence in Jharia and Raniganj Coal fields.

श्री बंस गोपाल चौधरी (आसनसोल): झरिया कोल फील्ड और रानीगंज कोल फील्ड, जिसके बारे में झारखंड सरकार और पश्चिम बंगाल सरकार के साथ माननीय प्रधानमंत्री की बातचीत हो चुकी है। यूनियन कैबिनेट सैक्रेटरी के साथ इस मुद्दे पर दोनों राज्य सरकारों ने मिल कर बात की है। झरिया इंटर टाउनशिप, धनबाद के एक बड़े क्षेत्र में और रानीगंज कोल फील्ड इलाके में आग और सब्सिडेंस की जो प्रोब्लम है, उसके लिए एक योजना बनाने के लिए फैसला हो चुका है। हम चाहते हैं कि बहुत दिनों से हमारे भूतपूर्व मुख्यमंत्री ज्योतिबसु और वर्तमान मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य जी, दोनों मुख्यमंत्रियों ने पिछले आठ-दस साल से इस योजना को मूव किया है। अब इसे इम्प्लिमेंट करने के लिए जल्द से जल्द पश्चिम बंगाल और झारखंड, दोनों राज्यों की सरकार झरिया कोल फील्ड और रानीगंज कोल फील्ड के लिए जो स्कीम है, वह इम्प्लिमेंट होना जरूरी है। मुझे जैसी सूचना प्राप्त हुई है कि इसके लिए सारी कैलकुलेशन हो चुकी है, रुपए-पैसे के बारे में पूरी बातचीत हो चुकी है और इसे आर एंड आर प्रोजेक्ट में रिहेब्लिटेशन के बारे में क्या स्कीम होगा, उसे फाइनेलाइजेशन करने के लिए फाइनल स्टेज पर आ चुका है। अब मुद्दा यह है कि उस एरिया की स्थिति बहुत खराब है। सब्सिडेंस प्रॉब्लम ऐसी हो गई कि रेलवे ट्रैक भी खतरे में है। एक पूरा जनपद, एक टाउन और विलेज भी खतरे में हैं, हम सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं कि प्रधानमंत्री और कोल मिनिस्ट्री से इसका फैसला जल्दी से जल्दी होना जरूरी है।